Year-14 Issue- 21
Ghaziabad, Sunday,
24 October- 2022

24 October to
30 October- 2022

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mo.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

सभी सुधी पाठकों, शुभचिंतकों एवं विज्ञापनदाताओं को धनतेरस, दीपावली, भाई दूज एवं गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक, धीरज भार्गव

आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब ने लगाया निशुल्क हेल्थ कैंप

जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के हेल्थ कैंप में 175 लोगों ने कराई निशुल्क जांच

गाजियाबाद। वसुंधरा सेक्टर-14 ए स्थित जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में आरएचएएम फाउंडेशन, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेंट्रल और अरिहंत चैरिटेबल हॉस्पिटल ट्रस्ट सोसायटी की ओर से निशुल्क हेल्थ कैंप लगाया। इसमें नौ बजे से दोपहर दो बजे तक करीब 175 लोगों ने अपनी आंख, दांत, बीपी, शुगर और रक्त आदि की निशुल्क जांच कराई। शिविर में जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर की अध्यक्ष रो मनीषा भार्गव, रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद सेफरोन की अध्यक्ष रो कुनिका भार्गव और रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड के अध्यक्ष रो अशोक शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई। रो मनीषा भार्गव ने कहा कि निशुल्क जांच शिविर में जैन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चिकित्सकों ने मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए जागरूक किया। आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब लगातार समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए समर्पित होकर काम कर रहे हैं। रो कुनिका भार्गव ने कहा कि आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब की ओर से स्वास्थ्य की जांच करने का अभियान लगातार आगे बढ़ रहा है और हमें खुशी है कि धरातल पर लोगों को इसका फायदा मिल रहा है। डिस्ट्रिक्ट चेयर रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन के फाउंडर एंड चेयर (आरएचएएम) रो डॉ धीरज कुमार भार्गव ने कहा कि रहम फाउंडेशन, जैन हॉस्पिटल और रोटरी क्लब के सहयोग से स्वास्थ्य की जांच के लिए शिविर लगा है। आगे भी इसी तरह शिविर लगाकर लोगों की हर संभव मदद की जाएगी। रो प्रदीप कुमार गुप्ता ने कहा कि हमें बेहद खुशी है कि हमारी मुहिम का लोगों को फायदा मिल रहा है। आगे भी आरएचएएम फाउंडेशन के नेतृत्व में इसी तरह जांच शिविर लगाकर लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर और जैन हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ पीके जैन ने कहा कि आरएचएएम फाउंडेशन और रोटरी क्लब के इस अभियान की जितनी तारीफ की जाए वह कम होगी। आगे भी शिविर में जैन हॉस्पिटल की टीम अपना पूरा सहयोग देगी। इस मौके पर रो पंकज मित्तल, रो संजय गर्ग, रो दयानंद शर्मा आदि मौजूद रहे। डॉ भार्गव ने जैन हॉस्पिटल के चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त किया।

TIRUPATI EYE

कुशल खिलाड़ी कोटे में आरक्षी भर्ती 2022 के लिए 31 तक करें आवेदन

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कुशल खिलाड़ी कोटे में आरक्षी भर्ती 2022 के अभ्यर्थियों की दिक्कतों के दृष्टिगत आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए विशेष प्राविधान किया गया है। अभी तक अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन के साथ ही आवेदन प्रपत्र व चालान की मूलप्रति व्यक्तिगत रूप से जमा करने हेतु केवल भर्ती बोर्ड कार्यालय लखनऊ में ही व्यवस्था की गई थी, किंतु अब वेस्ट यूपी के अभ्यर्थियों को लखनऊ तक आने जाने की असुविधा को देखते हुए रिजर्व पुलिस लाइन गाजियाबाद में एक विशेष पटल की व्यवस्था कर यहां आवेदन पत्र व चालान की मूल प्रति जमा की जा रही है। इसके लिए शनिवार, रविवार व राजकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर शेष समस्त कार्य दिवसों में दिनांक 31 अक्टूबर 2022 तक पूर्वाह्न 10 :00 बजे से सायं 05 :00 बजे तक पुलिस लाइन गाजियाबाद के सम्मेलन कक्ष में खुले पटल पर उनके प्रार्थना पत्र प्रतिदिन परीक्षण कर जमा किए जाएंगे। उन्हें लखनऊ तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। इस कार्य आर० के० चतुर्वेदी पुलिस महानिरीक्षक (से०नि०) के पर्यवेक्षण में भर्ती बोर्ड एवं स्थानीय पुलिस के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है जो दिनांक 31 अक्टूबर 2022 तक इस कार्य को संपन्न कराएगी। उत्तर प्रदेश शासन की नीतियों एवं निदेशों के अधीन उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी के 534 पदों पर 22 खेलों के कुशल खिलाड़ियों के कोटे में चयन की प्रक्रिया प्रचलित है जिसमें 355 पुरुष व 199 महिला कुशल खिलाडियों का चयन प्रस्तावित है। आवेदन पत्र दिनांक 31 अक्टूबर 2022 तक जमा किए जाने हैं।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

दिवाली के त्योहार को लेकर चाइनीज झालरों की बढ़ी मांग

गाजियाबाद। दिवाली पर इलेक्ट्रॉनिक बाजार चीन की झालरों और उससे जुड़े सजावटी सामानों से पटा हुआ है। कोरोना संक्रमण के दो साल बाद बाजार में इस बार रौनक आई है। बाजार में 100 फीसदी चीन की झालरें बिक रही हैं। इलेक्ट्रिकल फेडरेशन की मानें तो कारोबार घटने की जगह इस बार 50 फीसदी बढ़ गया है। बाजार में सबसे ज्यादा मांग चीन की एलईडी झालरों की है। चाइनीज झालरें 50 रुपये से शुरू होकर लंबाई और क्वालिटी के आधार पर 600 रुपये तक मिल रही है। बड़े व्यापारियों की ओर से झालरों को सीधे चीन से आयात कराया गया है। त्योहार पास होते ही दुकानदारों ने झालरों के दोम दोगुना कर दिए हैं। सामान्य झालरों के साथ रोशनी से जुड़े आकर्षक सजावटी सामान की बड़ी वैरायटी बाजार में उपलब्ध है। झालरों का कारोबार पूरी तरह से ऑफलाइन होने के कारण भी व्यापारियों के चेहरों पर रौनक है। चौपला स्थित इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी संदीप का कहना है कि चीन की झालरें हर वर्ग के बजट के मुफीद हैं। ऐसे में सबसे ज्यादा मांग इनकी हैं।

भारतीय झालरें पांच फीसदी भी नहीं

दिवाली पर चीन की झालरों का कारोबार कम होने की जगह बढ़ता जा रहा है। बाजार में भारतीय झालरें पांच फीसदी से भी कम संख्या में दिखाई दीं। भारतीय झालरों की क्वालिटी तो चीन की झालरों से बेहतर है लेकिन दाम ज्यादा हैं। भारतीय झालरों की शुरूआती रेंज 150 से शुरू होकर पांच सौ रुपये तक है। जबकि चाइनीज झालरें काफी सस्ते दामों पर मिल रही हैं।

Lets Celebrate
"October - The Month of Festivals"
May this #festive season brings happiness in your life...:)
Dhanteras, Diwali, Bhai Dooj, Vishwakarma Puja, Govardhan Puja

PROMOTE YOUR BRAND WITH US
WE ARE BRAND MARKETERS & CREATORS

You can give any small & Big Advt. through us i.e. Change of Name, Lost & Found, Court Notice, Situation Vacant, Business, Property, Matrimonial Motor Vehicle, Shopping, Retail etc and Any types of Advertisement

नवभारत टाइम्स | सान्ध्य टाइम्स | हिन्दुस्तान | Hindustan Times
Times of India | पंजाब केसरी | अमर उजाला | दैनिक जागरण
राष्ट्रीय सहारा | The Indian Express | दैनिक भास्कर | राजस्थान पत्रिका
& All India Newspapers

tbam
Advertising • Events • PR
TIRUPATI BALAJI ADVERTISING & MARKETING
A leading Newspapers, Radio , TV and Digital Advertising Agency
OTHER PARTNERS
Ghaziabad Bhargava Samaj Samiti | Akhil Bhartiya Bhargava Sabha | ROTARY CLUB OF INDIRAPURAM GALORE R.I. District 3012 www.rotaryclubofindrapuramgalore.com | ROTARY CLUB OF GHAZIABAD SAFFRON
RHAM Foundation www.rham3012.org | Rotary District 3012 | Rotary HEALTH AWARENESS MISSION
TIRUPATI BALAJI CHRONICLE GHAZIABAD FIRST HINDI / ENGLISH (Bi-Lingual) WEEKLY NEWSPAPER www.tbcgzb.com
Plot No. 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhara, Ghaziabad (U.P.) 201012
Contact : 9818373200, 9871895198, 0120-4561000, 4133100
Email : advtg@tbam.co.in, advtg@tbam.in, manishab@tbam.co.in

त्योहारों को देखते हुए खाद्य विभाग ने मिलावटी खादय पदार्थो की धर पकड़ के लिए चलाया अभियान

गाजियाबाद। डीएम राकेश कुमार के निर्देश पर दिवाली के त्योहार पर नकली खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा की टीम ने जगह-जगह छापेमारी कर मिठाई, रसगुल्ला, ड्राइ फ्रूट और तेल आदि के जांच के लिए नमूने लिए। सबसे पहले वसुंधरा सेक्टर-5 और 16 में एक मिठाई के प्रतिष्ठान पर सामग्री का सैंपल लिया। टीम के स दस्यों ने बताया कि खोया, सफेद रसगुल्ला के नमूने संग्रहित किए गए हैं। दूसरी टीम ने गाजियाबाद के मोदीनगर में एक प्रतिष्ठान से सैंपल एकत्रित किए। इसके अलावा मुरादनगर में भी दुकान से खाने-पीने की वस्तुओं के सैंपल लिए गए। खोड़ा कालोनी

में भी नारियल बर्फी, खोया और बीकानेर स्वीट्स से सैंपल लिए गए हैं। खादय सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन सहायक आयुक्त विनीत कुमार ने बताया कि 20 से अधिक नमूने संग्रहित किए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। रिपोर्ट के आधार पर नकली खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शहर में पांच दिवसीय त्योहार को लेकर मिष्ठान की दुकानों पर काफी रौनक है और ज्यादार दुकानों पर मिलावटी खाद्य सामग्री बेची जा रही है। जो लोगों के स्वास्थ्य के साथ खुलेआम खिलवाड़ चल रहा है। गाजियाबाद के नंदग्राम इलाके में भी नकली खाद्य सामग्री तैयार कर बेची जा रही है। इसमें मावा, मिठाई, सफेद रसगुल्ला, काला रसगुल्ला, नारियल बर्फी और अन्य पदार्थ शामिल हैं। विभाग की ओर से हर बार अभियान चलाकर खानापूर्ति की जाती है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है। दुकानों से सैंपल ले लिए जाते हैं और फिर उसके बाद कब रिपोर्ट आती है और क्या कार्रवाई होती है यह विभागीय अधिकारी और टीम ही जानती है। नंदग्राम में बड़ी मात्रा में नकली खाद्य सामग्री बेची जा रही है और यह अभियान कई सालों से चल रहा है। क्या खादय सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने किसी प्रतिष्ठान को सील किया है आज तक नहीं। इसलिए आपसे अनुरोध है कि नकली खाद्य सामग्री बेचना जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है इसलिए इसे पुनित कार्य मानते हुए जनता के हित को ध्यान में रखते हुए नकली खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों व प्रतिष्ठानों को सील किया जाए। उनके बाहर सील करने का कारण देते हुए होर्डिंग्स व नोटिस चस्पा किया जाए। क्या कार्रवाई हो रही है यह सब जनता के सामने आना चाहिए। आप सैंपल लेकर भेज देते हैं फिर जांच कहा होती है क्या होता है उसके बाद आपके अलावा कोई नहीं जानता है।

प्राधिकरण और जिला प्रशासन के अधिकारियों से वार्ता के बाद किसानों ने धरना स्थगित किया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर धरना दे रहे किसानों के प्रतिनिधियों की प्राधिकरण और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सोमवार को मैराथन बैठक हुई। दोपहर 1 बजे शुरू हुई बैठक रात 8 बजे तक चली। बैठक की शुरूआत में कुछ मुद्दों पर सहमति बनी लेकिन कई मुद्दों पर गतिरोध बना रहा और दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें देते रहे। किसानों का कहना था कि उनकी सभी मांगें जायज है और जब तक मांगें नहीं मानी जाएगी उनका धरना प्रदर्शन खत्म नहीं होगा। किसानों ने गौतमबुद्ध नगर के तीनों प्राधिकरणों पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उधर, प्रशासनिक और प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि बैठक में किसानों को पूरी तरह संतुष्ट किया गया है और जल्द ही सभी गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बैठक समाप्ति के बाद भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुभाष चौधरी ने कहा कि किसानों ने प्राधिकरण और प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित किया है। 7 नवंबर को किसानों की महापंचायत होगी जिसमें इस बात की समीक्षा होगी कि अधिकारियों ने आश्वासन पर कितना अमल किया। यदि किसानों के साथ धोखा हुआ तो फिर से आंदोलन जारी रहेगा। विदित हो कि पिछले तीन दिनों से ग्रेटर नोएडा के किसानों का एक दल जीरो प्वाइंट पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि प्राधिकरण अधिकारियों द्वारा उन्हें नजर अंदाज किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे किसानों से मिलने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से एसीईओ अमरदीप डुली, जीएम प्रोजेक्ट सलिल यादव, नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी प्रसून द्विवेदी और यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों से बात की। बातचीत के दौरान किसानों ने प्राधिकरण और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से लिखित में मांगों को माने जाने का आश्वासन मांगा। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि कुछ मांगों का तत्काल समाधान हो सकता है, लेकिन कुछ ऐसी मांग है जिस पर शासन स्तर से ही निर्णय लिया जा सकता है। बाद में दोपहर 12 बजे किसानों के प्रतिनिमंडल की तीनों प्राधिकरण के सीईओ और डीएम के साथ बैठक शुरू हुई। बैठक रात 8 बजे तक चली तक चली। भारतीय किसान यूनियन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के तीनों प्राधिकरण किसानों का शोषण करने में लगे हैं।

गाजियाबाद में 75 राशन की दुकानें होगी मॉडल शॉप

गाजियाबाद। जनपद में 75 राशन की दुकानों को हाईटेक किया जाएगा, जो सीएससी यानी जनसुविधा केंद्र की भांति काम करेंगी। इन हाईटेक दुकानों पर ई-स्टांप, पांच किलों का एलपीजी सिलेंडर भी मुहैया कराया जाएगा। खास बात यह है कि इन दुकानों को हाईटेक कर चौड़ी सड़कों के निकट लाया जाएगा ताकि सामान आसानी से पहुंचा जा सके। इसके अलावा हाईटेक दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक कांटे उपलब्ध करा दिए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी सीमा ने बताया कि खाद एवं रसद विभाग उत्तर प्रदेश के आयुक्त महोदय के पत्र के मुताबिक सभी बिंदुओं पर तीव्रता से काम किया जा रहा है और जल्द ही राशन की दुकानों की व्यवस्था में नया सुधार देखने को मिलेगा।

नगर निगम में आठ दिन में की महज 40 कुत्तों की नसबंदी

गाजियाबाद। नोएडा में बेआसरा कुत्तों के हमले की वजह से एक आठ माह की बच्ची की मौत जैसा हादसा कभी भी गाजियाबाद में भी हो सकता है। गाजियाबाद में बीते वर्षों में नसबंदी का काम ठीक से न होने की वजह से कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी है। नगर निगम ने अब एक संस्था को कुत्तों की नसबंदी की जिम्मेदारी दी गई है। इस संस्था ने भी 8 दिन में महज 40 कुत्तों की नसबंदी की है।

नगर निगम ने लगभग एक दशक पहले कुत्तों की नसबंदी के लिए नंदग्राम में शेल्टर होम बनाया था। हर साल किसी ने किसी संस्था को नसबंदी का ठेका दिया जा रहा है, इसके बावजूद कुत्तों की संख्या कम नहीं हो रही है। कुत्तों की नसबंदी का काम सिर्फ फाइलों में किया जा रहा है। नगर निगम अधिकारियों ने अब पशु चिकित्सकों की एक नई संस्था को ठेका दिया है। ऑपरेशन

थियेटर और वेटिंग रूम को भी बढ़ाया गया है। निगम अधिकारियों का दावा था कि रोजाना करीब 15 कुत्तों की नसबंदी की जाएगी, लेकिन यह काम अभी बेहद धीमा है। शालीमार गार्डन औश्र नेहरू नगर सेकेंड के ए-ब्लॉक में कुत्तों की संख्या बढ़कर 50 से ज्यादा हो गई है। अलग-अलग झुंड में रहने वाले यह कुत्ते बच्चों पर हमला कर चुके हैं। बीते दिनों इन कुत्तों ने साइकिल से ट्यूशन जा रहीं दो बच्चियों पर हमला कर दिया था। पास खड़े लोगों ने कुत्तों को खदेड़कर उन्हें बचाया था। आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ने से हर कॉलोनी के लोग परेशान हैं। संजय नगर, पटेल नगर, अशोक नगर, कविनगर, विवेकानंद नगर, गोविंदपुरम, शास्त्री नगर, महेंद्रा एंकलेव, वसुंधरा, वैशाली, राजेंद्र नगर समेत अन्य कॉलोनियों में भी कुत्तों के हमला करने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

नगर निगम में उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज कुमार सिंह ने बताया कि बीते कुछ वर्षों में नगर निगम करीब 18000 हजार कुत्तों की नसबंदी करा चुका है। अब हाल ही में एक संस्था को ठेका दिया गया है। इस संस्था को हर महीने कम से कम 300 कुत्तों की नसबंदी का लक्ष्य दिया गया है। इसकी संख्या बढ़ाने के लिए एक और एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर खोले जाने की योजना है। इसकी डीपीआर बनाकर शासन को भेजी गई है।

फर्जी दस्तावेज के जरिए नौकरी करने वाले एमएमएच इंटर कॉलेज प्रधानाचार्य निलंबित

गाजियाबाद। फर्जी दस्तावेज पर 20 साल तक नौकरी करने के मामले में एमएमएच इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अवधेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की आठ माह की लंबी जांच में गाजियाबाद और बुलंदशहर के दो अलग-अलग विद्यालयों से छठवीं से 12वीं तक की पढ़ाई का फजीर्वाड़ा सामने आया। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में अधिक अंक वाली अंकतालिका का इस्तेमाल कर मई 2003 में हापुड़ के सरस्वती विद्यालय इंटर कॉलेज में प्रवक्ता पद पर नियुक्ति पाई। अवधेश कुमार अक्तूबर 2013 से एमएमएचवी इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य पद पर नियुक्त थे। यूपी एसटीएफ अपर पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर एसटीएफ अपर पुलिस अधीक्षक ने जिला विद्यालय निरीक्षक गाजियाबाद को कार्रवाई के निर्देश दिए।

फिर डीआईओएस राजेश श्रीवास के आदेश और एसटीएफ की जांच का हवाला देते हुए विद्यालय प्रबंधक विनय कृष्ण मोहन ने बुधवार को निलंबन के आदेश जारी कर दिए गए। एसटीएफ की जांच रिपोर्ट के आधार पर मामले में प्रधानाचार्य के खिलाफ विधिक कार्रवाई तय मानी जा रही है। प्रधानाचार्य के फर्जी दस्तावेज की शिकायत उत्तर प्रदेश एसटीएफ में फरवरी 2022 में की गई। फिर एसटीएफ ने मार्च 2022 में मामले की जांच शुरू की। मामले में एसटीएफ यूनिट गौतमबुद्धनगर अपर पुलिस अधीक्षक राज कुमार मिश्र ने जांच शुरू की। जांच में दो जनपदों के अलग-अलग विद्यालयों से छठवीं से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई करने का मामला तो सामने आया। दूसरी ओर प्रधानाचार्य ने चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय से एक समय में बीएड और पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। जबकि नियमानुसार कोई भी अभ्यर्थी दो उपाधियां एक साथ नहीं ले सकता है। उधर, डीआईओएस ने बताया कि यूपी एसटीएफ की जांच के मिले पत्र के बाद एमएमएचवी प्रबंधन को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उसी क्रम में विद्यालय प्रबंधन ने प्रधानाचार्य के निलंबन की कार्रवाई की है। विद्यालय की ओर से ही आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध कालेजों में वापस लिया प्राइवेट पढ़ाई पर रोक का आदेश

गाजियाबाद। चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में इस सत्र में भी प्राइवेट से छात्र यूजी, पीजी की पढ़ाई कर सकेंगे। सोमवार को विवि प्रशासन को प्राइवेट पढ़ाई पर रोक के फैसले को वापस लेना पड़ा। विवि प्रशासन के इस फैसले से लाखों युवाओं की पढ़ाई का संकट टल गया है।

दरअसल, 13 अक्तूबर को परीक्षा समिति की बैठक में विवि प्रशासन ने प्राइवेट पढ़ाई पर रोक का फरमान जारी कर दिया है। इसके बाद से छात्र विवि प्रशासन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। आप पार्टी कार्यकताओं ने भी विवि प्रशासन के इस फैसले का विरोध जताया था। इसके बाद सोमवार को विवि को अपना यह फैसला वापस लेना पड़ा है। विवि अब जनवरी में बीए-बीकॉम और एमए-एमकॉम के प्राइवेट फार्म भरवाएगा।

कई यूनिवर्सिटी में नियम लागू

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू होने के बाद प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों में प्राइवेट की पढ़ाई बंद हो चुकी है। विवि प्रशासन ने भी 13 अक्तूबर को परीक्षा समिति की बैठक में इस सत्र से यूजी में प्राइवेट पढ़ाई बंद करने का निर्णय लिया था। वहीं विवि के इस फैसले से मेरठ मंडल के 6 जिलों के एक लाख से ज्यादा छात्र प्रभावित हो रहे थे। जो पढ़ना चाहते हैं लेकिन रेगुलर नहीं पढ़ सकते। ये छात्र-छात्राएं प्राइवेट पढ़ाई करते हैं। लेकिन सीसीएयू के इस फैसले ने उनसे पढ़ने का हक छीन लिया था। मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर और हापुड़ में हर साल एक लाख से अधिक छात्र-छात्राएं यूजी में प्राइवेट पढ़ाई करते हैं। विवि के इस निर्णय से प्राइवेट पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को राहत मिली है।

प्राइवेट पढ़ाई बंद करने से विवि को भी घाटा

विवि प्रशासन के अनुसार यूजी में प्राइवेट पढ़ाई बंद करने से विवि को तो 20 करोड़ रुपये का सालाना घाटा होगा। सभी कॉलेजों में यूजी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद सेमेस्टर प्रणाली हो गई है, ऐसे में प्राइवेट पढ़ाई को बंद किया जा रहा था।

26वें फ्लोर से नीचे आ रही लिफ्ट में फंसे लोग, मची चीख-पुकार

गाजियाबाद। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रांड सोसाइटी में बुधवार को एक बार फिर लिफ्ट फंस गई। बैंकर पिता और उनका मासूम बेटा करीब 45 मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे। मैनुअल तरीके से जैसे-तैसे लिफ्ट खोलकर दोनों को सुरक्षित निकाला गया। सोसाइटी के टॉवर सी-1 में 26वें फ्लोर पर आशीष परिवार सहित रहते हैं। वे पंजाब एंड सिंध बैंक में कार्यरत हैं। आशीष ने बताया, मंगलवार सुबह पौने 9 बजे वे ऑफिस जा रहे थे। लिफ्ट में उनका साढ़े तीन साल का बेटा भी था। लिफ्ट अपर ग्राउंड और ग्राउंड फ्लोर के बीच आकर रुक गई। लिफ्ट की लाइट और पंखा ऑन था, इसके बावजूद वो काम नहीं कर रही थी। आशीष ने सोसाइटी के वॉट्सएप ग्रुप में इसकी सूचना दी। इसके बाद तत्काल सुरक्षाकर्मी और मेंटीनेंस टीम दौड़ पड़ी। करीब 45 मिनट बाद दोनों को सुरक्षित

निकाला जा सका। आशीष ने बताया, गनीमत रही कि लिफ्ट में लाइट और पंखा दोनों चल रहे थे। वरना गरमी में हालत भी बिगड़ सकती थी।

घटना के बाद सोसाइटी की मेंटीनेंस टीम आशीष के फ्लैट पर पहुंची। इस घटना पर उन्होंने अपनी गलती स्वीकारी। भरोसा दिया कि सी-वन समेत दो टॉवरों की लिफ्ट में अब पीक ऑवर्स में एक-एक सिक्योरिटी गार्ड मौजूद रहेगा। इसके अलावा थर्ड पार्टी से लिफ्ट का निरीक्षण कराकर उसकी कमियों को दूर किया जाएगा।

बजट ने मिलने से अधर में लटक गया डंपिंग याई का काम

गाजियाबाद। जिले में 10 से 15 साल पुराने वाहनों को सड़क से हटाने के लिए बनाए जाने वाला डंपिंग यार्ड का काम अधर में लटका है। शासन से बजट न मिलने की वजह से यार्ड की जमीन पर चारदीवारी और इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने का काम शुरू नहीं हो पाया है। परिवहन विभाग को शासन से मिलने वाली बजट का इंतजार है। केंद्र सरकार की स्क्रैप पॉलिसी को धरातल पर लागू करने की चुनौती परिवहन विभाग के सामने है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेशों के अनुसार दिल्ली एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहन चलाना पूर्णतः यह प्रतिबंधित है। बावजूद इसके गाजियाबाद की सड़कों पर बड़ी तादाद में 10 से 15 साल पुराने वाहन दौड़ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि परिवहन विभाग के पास पुराने वाहनों को रखने के लिए कोई स्थान नहीं है। परिवहन विभाग द्वारा जो भी वाहन बंद किए जाते हैं, उन्हें संबंधित थानों में ही खड़ा करना पड़ता है ताकि उनके पार्ट्स चोरी न हो सकें। सड़क से पुराने वाहनों को हटाने के लिए

बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में बनाए जाने वाले डंपिंग यार्ड के लिए शासन से 38,27,120 रुपए के बजट की मांग की गई है। इस संबंध में आरटीओ प्रवर्तन केडी सिंह गौर ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखा है। लेकिन अभी तक शासन से बजट नहीं मिला है। गाजियाबाद जिले में फिलहाल डीजल के 10 साल पुराने 26,557 और पेट्रोल के 15 साल पुराने 1,36,657 वाहन सड़क पर चल रहे हैं। कुल मिलाकर 1,63,214 पुरानी वाहन सड़क पर है। अगर यह गाजियाबाद की सड़कों से हट जाएंगे तो निश्चित ही प्रदूषण नियंत्रण में तो राहत मिलेगी ही, साथ ही सड़क से भी वाहनों का बोझ कम होगा। परिवहन विभाग को बुलंदशहर रोड औद्योगिक क्षेत्र में बियर फैक्ट्री के पास नगर निगम ने 10141.58 वर्ग मीटर भूमि उपलब्ध करा दी है। अब इस भूमि को समतल करने इसकी चारदीवारी कराने तारों की फेंसिंग एवं अन्य मरम्मत के कार्य किए जाने हैं। यह पूरा काम नगर निगम को करना है और नगर निगम ने इसकी अनुमानित कीमत 38,27,120 रुपए मानी है।

आईटीएस में दिवाली मेले का आयोजन, छात्रों ने लगाई स्टॉल

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ, हाईवे स्थित आईटीएस कॉलेज मे दिवाली के अवसर पर उत्साहपूर्ण दिवाली मेले का आयोजन किया गया। मेले का आयोजन गुरुवार को आईटीएस हैल्थ एंड एलाईड साइंसेज के द्वारा किया गया। फिजियोथैरेपी, बायोटेक्नोलॉजी और फामेर्सी विभागों के छात्रों ने मेले का आनंद लेने के लिए मेहमानों का अलग-अलग चीजों की पेशकश करने के लिए कई तरह के स्टॉल और हस्तशिल्प के स्टॉल लगाये। खाद्य स्टॉलों मे लस्सी, भेलपुरी, गोलगप्पे, मोमोज, पिज्जा, छोले चाट, फ्रूट शेक व अन्य खेल प्रतियोगिता

का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न पेय जैसे कोल्ड कॉफी, शेक, काहवा, शरबत आदि के स्टॉल भी लगाए। सभी छात्रों एवं फैकल्टी मेंबर ने स्टाल का आनंद लिया। तृतीय वर्ष की पूजा एवं अंजलि बैंसला ने स्पेशल लस्सी का स्टाल लगाया, जिसकी सभी ने सराहना की।

केडीबी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

गाजियाबाद। कविनगर स्थित केडीबी पब्लिक स्कूल में गुरूवार को प्राथमिक वर्ग के बच्चों ने अपना वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश कुमार बजाज ने अश्विनी बजाज, वंदना बजाज, एके बग्गा, स्कूल की प्रिंसिपल निवेदिता राणा, उप प्रधानाचार्या नम्रता दुबे, आभा कौशिक आदि की मौजूदगी में दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।मंच पर इंद्रधनुष के रंगों की छठा बिखेरी। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने विविधा पर प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। शिक्षकों एवं अभिभावकों, छात्रों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए तालियां बजाई। छात्रों ने शास्त्रीय, पाश्चात्य,उत्कृष्ट श्रेणी का पंजाबी लोक नृत्य किया। मुख्य अतिथि नरेश कुमार बजाज ने बच्चों द्वारा एकता व सहिष्णुता की भावना पर दिए गए संदेश की प्रशंसा करते हुए बच्चों का मनोबल बढ़ाया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

पार्षद सरदार सिंह के जन्मदिन पर सुंदर कांड का पाठ का आयोजन

गाजियाबाद। वार्ड 37 के पार्षद सरदार सिंह भाटी जी के जन्मदिन के अवसर पर प्राचीन श्रीराम मंदिर शालीमार गार्डन साहिबाबाद गाजियाबाद मे सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। इस मौके पर पार्षद सरदार सिंह भाटी ने कहा की परम राम भक्त हनुमान जी के सदैव उन पर कृपा रही, उनके आशीर्वाद एवं कृपा से ही आज मे यहाँ पंहुचा हूं, आगे भी प्रभु कृपा से समाजहित के कार्य करता रहूँगा। कार्यक्रम में पंडित राम किशोर शास्त्री,कालीचरण पहलवान ,रवि भाटी क्षेत्रीय सदस्य भाजयुमो, शालीमार गार्डन मण्डल अध्यक्ष राजन आर्य, कैलाश यादव,अशोक भाटी,दीपक ठाकुर, मुन्ना सिंह,सुदीप शर्मा,युगाक यादव,मुकेश यादव,योगेश चौधरी,रामचरण प्रधान जी, लीलू प्रधान, भोपाल यादव,शिवा राणा,

दीपक मोली, सोमनाथ चौहान,अरुण पाल आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मास्टर वी सी सिंह, आर एस सिंह, आकाश भाटी, ममता, मीरा भाटी, बबली चौहान, पूजा, पाबला जी, रोहित, मुकेश, राहुल, मोनू सेंगर, अशोक शिशोदिया, पंडित राम किशोर शास्त्री जी, पुनीत पवार, वीरपाल कटारिया, राहुल राजपूत, रोहित पहलवान, मुकेश सिंह राजपूत, ज्ञानेंद्र सिंह राजपूत, रवि हिंदुस्तानी, राज खान, सुमित शर्मा,रॉक भाई,प्रमोद कुमार, मदन सिंह, सुरेंद्र सिंह ठाकुर, शहजाद खान,डॉक्टर देवेंद्र कुमार, विजय पाल सिंह, नवीन पचौरी,आदि लोगों ने पार्षद सरदार सिंह भाटी के जन्मदिन पर उन्हे बधाई एवम शुभकामनाएं दी।

Editorial

Split over hijab: On the Supreme Court verdict

A two-judge Bench of the Supreme Court has been unable to resolve the conflict between a girl student's freedom to wear a head-scarf and the state's interest in keeping schools a place of equality and secularism. It is unfortunate that a clear verdict did not emerge from the elaborate arguments advanced before the Court for and against the Karnataka government's bar on the wearing of the hijab. The split verdict perhaps reflects the division in the wider society on issues concerning secularism and the minorities. Justice Hemant Gupta, rejecting the idea that hijab could be worn in addition to the uniform, has held that permitting one community to wear religious symbols to class will be the antithesis of secularism. Justice Sudhanshu Dhulia, on the other hand, has ruled that asking to remove the head-scarf at an institution's gates is an invasion of their privacy and dignity. The issue is why a head-scarf that does not interfere with the uniform cannot be a matter of choice without being a target of hostile discrimination; and whether the hijab is going to be used to deny girl students their right to education. Justice Dhulia represents this viewpoint when he asserts that discipline should not be at the cost of freedom, when he wonders why a girl child wearing a hijab should be a public order problem and declares that 'reasonable accommodation' of this practice will be a sign of a mature society. He also empathises with the position of girl students who have to overcome greater odds than boys to get an education. Justice Gupta, on the other hand, has foregrounded equality and discipline as the essential hallmarks of a secular institution in a diverse country, and rules that the Government violates no constitutional principle when enforcing a prescribed uniform.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

T20 World Cup: Deepak Chahar ruled out, Mohammed Shami, Siraj and Shardul Thakur to fly to Australia

Fast bowler Deepak Chahar has been ruled out of the T20 World Cup 2022 due to fitness issues even as India are waiting to name a replacement for injured Jasprit Bumrah in the 15-man squad. Chahar was named as part of the reserves for the World Cup, which will be held in Australia from October 16.

Deepak Chahar was in impressive form ever since he returned from a long injury lay-off during the series against Zimbabwe in Harare. Chahar was included in the World Cup reserves but the fast bowler was ruled out of the recently-concluded ODI series against South Africa with off-spinner Washington Sundar replacing him. The BCCI said Chahar was not available for the last two ODIs due to a stiff back.

Meanwhile, the trio of Mohammed Shami, Mohammed Siraj and Shardul Thakur is set to fly out to Australia on Thursday, October 13. The three pacers will join the squad, which is currently training in Perth ahead of the T20 World Cup. Shami, who is considered the frontrunner to replace Jasprit Bumrah in the squad, will have his final fitness test at the National Cricket Academy in Bengaluru after having recovered from Covid-19 which ruled him out of the T20I series against South Africa and Australia at home.

Meanwhile, Mohammed Siraj has put his name in contention as Jasprit Bumrah's replacement after some fine performances in the recently-concluded white-ball series against South Africa. Siraj was named the Player of the Series in the ODI series with 5 wickets from 3 matches. Siraj was in terrific rhythm with the new ball and kept the run flow in check, using the bouncers to good effect.

Mohammad Shami pens emotional note ahead of India vs Australia warm-up match: It required alot of hard work

India pacer Mohammad Shami penned an emotional note on his return to the Indian T20I side. The pacer is one of the top names to replace injured Jasprit Bumrah in the T20 World Cup squad, a format that he has not played for India in 2022. Shami has been in terrific form in the Indian Premier League, playing an instrumental role in Gujarat Titans' title winning campaign, but has fallen down the pecking order for his tendency of going for runs in the death overs of the game.

Shami took to Twitter in the early hours of Monday, 17 October and wrote that it has taken a lot of hard work, commitment and dedication for him to get back to the side.

"It required a lot of hard work, commitment and dedication to be back but the journey to Australia has been thoroughly rewarding. No better feeling than to be back with #TeamIndia and my boys. Looking forward to the World Cup," Shami wrote.

India captain Rohit Sharma, speaking ahead of the game said that he knew the bowlers he wanted to play in the tournament. While he did not name anyone in particular, Sharma said that it was important to give the players confidence.

India have come into the T20 World Cup with problems in their bowling line-up. The pacers have gone for a flurry of runs in the death overs, and their ace spinner Yuzvendra Chahal has not been able to take a lot of wickets.

India have carried their T20 specialists Arshdeep Singh and Harshal Patel in their main squad and have flown out Mohammed Siraj, Shami and Shardul Thakur as a cover for Jasprit Bumrah.

After FIFA World Cup, Qatar set to host AFC Asian Cup in 2023

The AFC Asian Championship 2023 is finally set to find a home. The tournament had been delayed multiple times over the logistocal issues after it was moved out of China, but now finally has a country that is prepared and ready to host the tournament. The FIFA World Cup 2022 host, Qatar, will replace China as host nation of the 2023 AFC Asian Cup, the Asian Football Confederation announced on Monday, 17 October. The Asian Football Council in a statement said that Qatar were chosen ahead of the two other finalists Indonesia and South Korea for the right to hold the biennial championship of Asian football. The decision was taken at a meeting of the Executive Committee on Monday. With their existing world-class infrastructure and unrivalled hosting capabilities, we are confident that Qatar will stage a worthy spectacle", Shaikh Salman added in the statement. China stepped down as hosts earlier in 2022 over their strict regulations during the COVID-19 pandemic, forcing the AFC to quickly find a new host.

T20 World Cup warm-up match, AUS vs IND: Dinesh Karthik's dropped catch leaves fans fuming

Fans were left fuming with Dinesh Karthik's wicketkeeping effort in the T20 World Cup warm-up fixture against Australia after the veteran dropped an easy catch of Glenn Maxwell on Yuzvendra Chahal's bowling in Brisbane on Monday.

The incident happened in the 11th over when Maxwell tried to cut a flat delivery from Chahal. Maxwell backed away on the cut and got a tiny edge, straight in and out of DK's gloves. Fans were not impressed with the effort, saying these kinds of catches should be taken at this level though.

Earlier, KL Rahul and Suryakumar Yadav played superb knocks to power India to 186 for 7 against Australia in the ICC Men's T20 World Cup warm-up match at the Gabba in Brisbane on October 17, 2022. KL Rahul smashed 57 off 33 while Suryakumar Yadav scored 50 off 33 while Australia's Kane Richardson took four wickets, and Glenn Maxwell and Ashton Agar bagged one wicket each. Dinesh Karthik had an ordinary outing with the bat too, as he departed after playing a cameo of 20 runs in 14 deliveries. He was dismissed while trying to pull but it went straight to the fielder stationed at deep mid-wicket on the delivery from Richardson.

फर्रुखनगर में अवैध पटाखा बिक्री पर रोक लगाने गई पुलिस पर पथरालव

गाजियाबाद। फर्रुखनगर में अवैध पटाखा बिक्री और गोदाम में भरने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर हमला हो गया। कुछ लोगों ने पुलिस टीम पर पथराव कर दिया। हमले में दो पुलिसकर्मी मामूली रूप से घायल हुए हैं। पुलिस के वाहन में भी तोड़फोड़ की गई। सूचना पर पहुंची अतिरिक्त पुलिस फोर्स ने किसी तरह हालात पर काबू पाया। मामले में पुलिस ने मौके से 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि 50 लोगों के खिलाफ टीला मोड़ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।टीला मोड़ थानाक्षेत्र का फर्रुखनगर इलाका लंबे समय से अवैध पटाखों के लिए जाना जाता है। पटाखों पर पाबंदी के बावजूद इस इलाके में पटाखों को तैयार किया जाता है और बेचा जाता है। शनिवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि फर्रुखनगर में अवैध पटाखे बनाए जा रहे हैं। पुलिस टीम क्षेत्र में नासिर पुत्र कलवा के मकान पर पहुंची तो

वहां मौजूद लोगों ने पुलिस का विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में पुलिस के ऊपर पथराव शुरू कर दिया गया। सूचना आला अधिकारियों को दी गई तो मौके पर भारी पुलिस फोर्स भेजी गई, लेकिन इस दौरान भीड़ ने एक बार फिर पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद मौके पर पहुंची कई थानों की पुलिस ने भीड़ को काबू कर 14 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। पुलिस ने इस मामले में टीला मोड़ थाने में 22 नामजद तथा 40-50 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मौके से 18 बोरे पटाखे भी बरामद किए हैं। पुलिस पर पथराव में सिपाही राजीव कुमार और हेमंत शर्मा घायल हुए हैं।

फूल वालो की सैर 2022 कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश को मिला द्वितीय पुरस्कार

महरौली नई दिल्ली में आयोजित फूल वालों की सैर-2022 कार्यक्रम

गाजियाबाद। राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से महरौली नई दिल्ली में आयोजित फूल वालों की सैर-2022 कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश को द्वितीय पुरस्कार मिला। इसके अलावा पंखे स्टेज पर लगाने जाने वाले कार्यक्रम में भी उत्तर प्रदेश को उत्कृष्ट श्रेणी का पुरस्कार मिला। निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रतिनिधि के रूप में संयुक्त निदेशक सूचना भूपेंद्र सिंह यादव द्वारा पुरस्कार प्राप्त किया गया। संयुक्त निदेशक सूचना द्वारा नई दिल्ली में प्राप्त पुरस्कार के प्रतीक चिन्ह को निदेशक सूचना को हस्तगत आज कराया गया। निदेशक सूचना शिशिर ने सूचना विभाग की टीम को बधाई दी।

दरअसल, प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी महरौली में फूल वालो की सैर-2022 कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इस बार उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, तमिलनाडू व अन्य राज्यों ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। उत्तर प्रदेश की ओर से सूचना विभाग के कलाकारों के द्वारा राष्ट्रीय एकता व सद्भाव पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमो की प्रस्तुति की गयी। उत्तर प्रदेश

के कलाकारों ने अपने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक टीम बुंदेलखण्ड लोक कला संस्थान द्वारा बृज की फूलों की होली लोक नृत्य एवं बुलदेलखण्ड का राई नृत्य की प्रस्तुति की गई।

कार्यक्र में मिलता है भाईचारे का संदेश

फूलवालों की सैर कार्यक्रम भाईचारे का संदेश देता है. ये हमारे देश की मिली-जुली संस्कृति का प्रतीक है. इसे हर साल 'अंजुमन सैर-ए-गुल फरोशां' नामक सोसायटी आयोजित करती है. यह आपसी सौहाद्र को बढ़ाने वाला आयोजन है क्योंकि इसे हिंदू-मुस्लिम मिलकर मनाते हैं और इसे लेकर दोनों समुदायों में एक जैसा उत्साह देखने को मिलता है।

दिल्ली में पराली जलाने की दो घटनाएं आई सामने

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा के खेतों में पराली जलाने की घटनाओं में पिछले पांच दिनों में तेजी देखने को मिली है, वहीं वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दावा किया है पिछले साल की तुलना में अभी तक आधी पराली ही जली है। आयोग के मुताबिक पिछले साल 15 सितंबर से लेकर 16 अक्टूबर के बीच पराली जलाने की 3,441 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस बार अब तक 1,695 घटनाएं ही दर्ज की गई हैं।

आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब के खेतों में पिछले साल इसी अवधि में पराली जलाने की 2,375 घटनाएं दर्ज की गई थीं, जबकि इस साल यह संख्या अब तक 1,444 है। इसी तरह से हरियाणा में पिछले साल 1,026 के मुकाबले इस बार 244 जगहों पर ही पराली जली है। उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में पिछले साल 30 की तुलना में इस बार केवल पांच ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं। दिल्ली में इस साल अब तक पराली जलाने की दो ही घटनाएं सामने आई हैं।

सीएक्यूएम ने यह भी बताया कि धान के अवशेष जलाने की पहली घटना इ साल पंजाब में 15 सितंबर को, हरियाणा में 18 सितंबर को, उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों में 30 सितंबर को और दिल्ली में पांच अक्टूबर को हुई थी। आयोग के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान आदि में पराली जलाने की घटनाओं को लेकर पूरी निगरानी की जा रही है। कई जिलों के जिलाधिकारियों के साथ बैठक भी हुई है। अधिकारियों को पराली जलाने की हर घटना का मौके पर जाकर निरीक्षण करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उक्त सभी राज्यों सहित दिल्ली के मुख्य सचिवों और इन राज्यों के कृषि और पर्यावरण विभागों के सचिवों के साथ नियमित रूप से स्थिति की समीक्षा भी की जा रही है।

सीएक्यूएम के अनुसार, उत्तर प्रदेश के पंजाब, हरियाणा व एनसीआर जिलों में लगभग 31,700 कस्टम हायरिंग सेंटर और सहकारी समितियां स्थापित की गई हैं और दो लाख से अधिक फसल अवशेष प्रबंधन मशीनरी उपयोग के लिए उपलब्ध हैं।

गौरतलब है कि प्रतिकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के साथ, आसपास के राज्यों में धान की पराली जलाना राष्ट्रीय राजधानी में अक्टूबर और नवंबर में वायु प्रदूषण के स्तर में खतरनाक वृद्धि का एक प्रमुख कारण है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार, पंजाब में पिछले साल 15 सितंबर से 30 नवंबर के बीच पराली जलाने की 71,304 घटनाएं सामने अराई थीं और 2020 में इसी अवधि में 83,002 घटनाएं दर्ज की गई थीं। पिछले साल, दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण में पराली के धुएं का हिस्सा सात नवंबर को 48 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

अवैध कालोनी में भी पास कर दिया नक्शा, दो वास्तुकार और एक इंजीनियर पर गिरी गाज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में भ्रष्टाचार का एक अलग मामला उजागर हुआ है। निगम की आनलाइन व्यवस्था का लाभ उठाते हुए अनधिकृत कालोनियों में नक्शा पास करने के साथ ही उनको निर्माण पूरा होने का सर्टिफिकेट भी दे दिया। जब ऐसे मामलों का पदार्फाश हुआ तो निगम ने दो वास्तुकार शुभम कुमार, राजीव और इंजीनियर तनुज कुमार को अपनी पैनल की सूची से हटा दिया। साथ ही तीन साल के लिए ब्लैक लिस्ट कर दिया है। हैरानी की बात यह न केवल यह नक्शें पास कराए गए बल्कि तय नियमों के विरूद्ध भी बनाई गई संपत्ति के थे। राजधानी में यूनीफाइड बिल्डिंग बायलाज लागू है। इसमें 105 वर्ग मीटर तक के नक्शे तो पास कराने की भी आवश्यकता नहीं होती बस एक सूचना देनी होती है। जबकि 500 वर्ग मीटर तक के नक्शे निगम के पैनल पर पंजीकृत निजी इंजीनियर और वास्तुकारों के हलफनामे के आधार पर पास किए जाते हैं। वास्तुकारों और इंजीनियरों ने निगम के इसी कानून का फायदा उठाते हुए अवैध कालोनी में नक्शे पास करा लिया। जब निगम को इसकी शिकायत मिली तो पूरे मामले की पड़ताल के बाद यह मामला संज्ञान में आया। जांच में पता चला कि दो वास्तुकार और एक इंजीनियर ने मिलकर ऐसे 11 संपत्तियों के नक्शे पास कराए जो कि अवैध कालोनी में थी। हैरानी की बात यह भी कि इन्होंने न केवल नक्शे पास कराए बल्कि उनका निर्माण पूरा नियमों के तहत होने का भी सर्टिफिकेट दे दिया। जिन संपत्तियों के नक्शए पास कराए गए उनके प्लाट 18 से 22 मीटर तक के हैं। इन वास्तुकारों ने जो नक्शे गलत तरीके से पास कराए उसमें

ज्यादातर संपत्तियां छत्तरपुर इलाके की है। इसमें छत्तरपुर गांव, छत्तरपुर एक्सटेंशन की संपत्तियां हैं और कुछ संपत्ति देवली एक्सटेंशन की है। यह इलाके दक्षिणी दिल्ली महंगे इलाको में से हैं। जहां पर संपत्तियों का रेट लाखों रुपये प्रति गज हैं।

नियमों को सरल करने के लिए किया गया था संशोधन

निगम में पहले जूनियर इंजीनियर के राज का आरोप लगता था। साथ ही यह कहा जाता था कि नक्शे पास होने में निगम अधिकारी देर लगाते हैं और उसमें बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार भी होता है। इसी को देखते हुए यूनिफाइड बिल्डिंग बायलाज के तहत ईज आफ डूईंग बिजनेस में यह तय कर दिया गया कि कोई भी निगम का अधिकारी निर्माण स्थल पर नहीं जाएगा। जो भी आनलाइन नक्शें के आवेदन आएंगे उनको तय समय-सीमा में पास करना होगा। इसके लिए निगम से पैनल पर इंजीनियरों और वास्तुकारों के जो नक्शे आते हैं उनको निगम पास कर देगा। कई वास्तुकार और इंजीनियर इन नियमों का लाभ उठाते हैं। वास्तुकार अपने इसी अधिकार का फायदा उठाते हैं। नक्शे की सरकारी फीस तो तय हैं लेकिन इन वास्तुकारों की प्रोफेशनल फीस क्या होगी यह तय नहीं है। ऐसे में जिस वास्तुकार की सेटिंग ज्यादा अच्छी होती है शुल्क भी उसी आधार पर लिया जाता है।

प्रदूषण पर नहीं लगी रोक तो ठेकेदार पर लगा 18 लाख रुपये का जुर्माना

नोएडा। वायु प्रदूषण फैलाने वाले निर्माण कंपनी, ठेकेदार सहित अन्य लोगों पर 17.62 लाख का जुमार्ना मंगलवार को किया गया। प्राधिकरण और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त कार्रवाई में शहर के कई स्थानों पर ग्रैप के नियमों का उल्लंघन पाया गया। प्राधिकरण के ओएसडी अविनाश त्रिपाठी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी प्रवीण कुमार ने शहर के कई स्थानों पर औचक निरीक्षण किया। पर्थला चौक-ग्रेटर नोएडा मार्ग के डिवाइडर पर मिट्टी और इसके आसपास भवन निर्माण सामग्री खुले में पाए जाने पर श्रीमंगलम बिल्डकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। सेक्टर-121 के मुख्य मार्ग पर खुले में निर्माण सामग्री मिलने और सेक्टर-122 में मार्ग पर धूल बिखरा होने पर 20 हजार का जुमार्ना किया। वर्क सर्किल छह के सफाई करने वाले ठेकेदार पर 50 हजार का जुमार्ना किया गया। इसके अलावा प्राधिकरण की टीम ने अलग-अलग स्थानों पर लगभग 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया। तीन दिन से लगातार नोएडा-ग्रेटर नोएडा की हवा

प्रदूषित है। मंगलवार को नोएडा का एक्यूआई 242 और ग्रेटर नोएडा का 216 दर्ज किया गया। शाम को वायु प्रदूषण में मामूली कमी दर्ज की गई। मंगलवार को नोएडा का अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रहा। प्रतिघंटे सात किलोमीटर की गति से हवा चली।

दोस्ती की खातिर एवरेस्ट की उंचाई नापने निकले अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली। सूरज बडजात्या के राजश्री प्रोडक्शन ने दर्शकों को 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं' और 'प्रेम रतन धन पायो' जैसी कई सुपरहिट फैमिली एंटरटेनर फिल्में दी हैं। लेकिन इस बार निर्देशक अपने दर्शकों के लिए कुछ अलग लेकर आ रहे हैं।बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन गुडबाय के बाद एक राजश्री प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'उंचाई' से स्क्रीन्स पर वापस लौट रहे हैं। इस फिल्म में बिग बी के अलावा बोमन ईरानी, अनुपम खेर और डैनी भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में इन दिग्गज सितारों के अलावा परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। उंचाई के कई पोस्टर्स सामने आने के बाद अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। अमिताभ बच्चन और परिणीति स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आपकी आंखें पूरी तरह से नम कर देगा। उंचाई' चार ऐसे दोस्तों की कहानी है, जिसने जिंदगी के कई खूबसूरत पलों और दुखों को साथ में बिताया है। लाइफ के हर पल को साथ में जिया है। लेकिन इनमें से एक दोस्त ऐसा है, जो अपने दोस्तों के साथ बचपन को दोबारा जीना चाहता है और माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना चाहता है, लेकिन उम्रदराज होने की वजह से उनके दोस्त उनके इस सपने का मजाक उड़ाकर उसे हंसी में टाल देते हैं लेकिन जब उनके दोस्त (डैनी) का निधन होता है, उसके बाद अमिताभ बच्चन अपने दोस्तों बोमन ईरानी और अनुपम खेर के साथ डैनी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए बिना उम्र की परवाह किए एवरेस्ट की उंचाई नापने के लिए निकल पड़ते हैं। यही से शुरू होता हैं उनका 'उंचाई' का सफर, जहां उम्रदराज होने की वजह से उनके सामने कई मुश्किलें आती हैं, लेकिन वह उसका डट कर सामना करते हैं।बिग बी, बमन ईरानी और अनुपम खेर के अलावा इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा अहम भूमिका में हैं, जो फिल्म में सभी की पहाड़ों की उंचाई पर जाने के लिए सभी को गाइड करती हुई नजर आएंगी। एक्ट्रेस की ये राजश्री प्रोडक्शन की पहली फिल्म हैं। इन सबके अलावा नीना गुप्ता भी फिल्म में प्रमुख भूमिका में हैं। 2 मिनट 50 सेकंड के अंत में गाना सुनकर आप 60-70 की यादों में कही खो जाएंगे। हमेशा पारिवारिक कहानी लोगों के लिए लाने वाले निर्देशक सूरज बडजात्या इस फिल्म में दोस्ती की मान्यताएं बताते हुए नजर आ रहे हैं। 'उंचाई' 11 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, दैव नर्तकों को मिलेगा मासिक भत्ता

कन्नड़ भाषा में आई फिल्म कांतारा को न केवल आडियंस पसंद कर रही है बल्कि गवर्मेंट पर भी इस फिल्म का काफी ज्यादा प्रभाव देखने को मिल रहा है। कांतारा फिल्म की कहानी उन लोगों से प्रेरित है जो दैवों का वेश धारण कर नर्तक बनते हैं और फिर उनकी उपासना करते है।अब कर्नाटक की सरकार ने इससे प्रभावित होकर 60 वर्ष से अधिक की उम्र पूरी कर चुके दैव नर्तकों को 2000 रुपए तक का मासिक भत्ता देने का एलान किया है।

सरकार ने की घोषणा

लोकसभा सांसद पीसी मोहन ने ये एलान करते हुए अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- ₹बीजेपी के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने ये घोषणा की है जो भी दैव नर्तक 60 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं उन्हें 2000 रुपए तक का मासिक भत्ता मिलेगा। कांतारा मूवी में दिखाए गए भूता कोला परंपरा की हिंदू धर्म में काफी मान्यताएं हैं।

मानुषी छिल्लर पहुंची अमृतसर, गोल्डन टेंपल में टेका माथा

मिस वर्ल्ड 2017 का ताज पहन चुकी मानुषी छिल्लर ने गुरुवार को अमृतसर में गोल्डन टेंपल में माथा टेका है। मानुषी छिल्लर एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अमृतसर पहुंची थी। मॉडलिंग करियर से अक्षय कुमार की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में दिखी मानुषी बड़े पर्दे पर अपनी किस्मत अजमा रही हैं। स्टार मानुषी एक कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए अमृतसर पहुंची थी, लेकिन अचानक ही उन्होंने गोल्डन टेंपल में माथा टेकने की इच्छा जाहिर की। सादे सूट में गोल्डन टेंपल पहुंची मानुषी ने गुरुघर में माथा टेका और गुरुओं का आशीर्वाद हासिल किया। मानुषी बड़े व ओटीटी प्लेटफार्म पर अपना नाम जमाने के लिए मेहनत कर रही हैं। सम्राट पृथ्वीराज में उनके काम को काफी अधिक सराहा गया।

तेहरान में जल्द दिखेंगी मानुषी

मानुषी ने कुछ समय पहले ही तेहरान फिल्म के लिए शूटिंग को पूरा किया है। वह अब जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाली हैं। मानुषी ने बताया कि वह अपने हर प्रोजेक्ट से नया सीखना चाहती हैं और आगे बढ़ना चाहती हैं। इसके अलावा वह कई और प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रही हैं।

साजिद खान के खिलाफ फजल ने उठाई आवाज, बिग बॉस से बाहर करने के लिए कहा

साजिद खान को बिग बॉस शो से बाहर करने की मांग तेज होती जा रही है। बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री समेत देश भर की कई महिलाओं ने डायरेक्टर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सभी का यही कहना है कि भला शो के मेकर्स एक मीटू आरोपी को इस तरह के बड़े प्लेटफॉर्म पर कैसे मौका दे सकते हैं?

अब हाल ही में एक्टर अली फजल ने भी साजिद खान को शो से बाहर निकालने की मांग कर डाली है। अली साजिद के खिलाफ आवाज उठाने वाले पहले मेल एक्टर हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर डायरेक्टर के शो में होने पर विरोध जताया है।अली फजल ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर फोटो शेयर किया है। फोटो में साजिद खान का पोस्टर जलता हुआ नजर आ रहा है, वहीं एक हाथ भी नजर रहा है जो डायरेक्टर के पोस्टर पर आग लगाता नजर आ रहा है, जिस पर मीटू लिखा हुआ है। साथ ही पोस्टर पर लिखा हुआ है- साजिद को शो से तुरंत बाहर करो।'भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने भी हाल ही में साजिद पर हैरेसमेंट के गंभीर आरोप लगाए। मीडिया से बातचीत में रानी ने बताया कि साजिद ने उन्हें घर पर बुलाकर उनके साथ अश्लील हरकतें की, जिसके बाद वो डर कर भाग गईं। जब एक्ट्रेस से साजिद के बिग बॉस में रहने पर सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा- 'मुझे बिग बॉस देखकर बहुत गुस्सा आता है, मेरा खून खौलता है। भला ऐसे लोगों को शो में कैसे जगह दी जा सकती है।' रानी के अलावा भी कनिष्का सोनी, शर्लिन चोपड़ा, जिया खान, मंदाना करीमी समेत कई एक्ट्रेसेस ने साजिद पर हैरेसमेंट के आरोप लगाए हैं। दरअसल, साल 2018 में साजिद पर 10 महिलाओं ने मी टू मूवमेंट के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे। जिस वजह से इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन एसोसिएशन साजिद को एक साल के लिए बैन कर दिया था। ऐसे में लंबे के बाद साजिद ने बिग बॉस के साथ एक बार फिर वापसी की है। हालांकि बिग बॉस में उनके आते ही विवाद शुरू हो गया है, कई फिल्मी हस्तियों ने साजिद के शो में होने में आपत्ति जताई है।

राजामौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी दीपिका

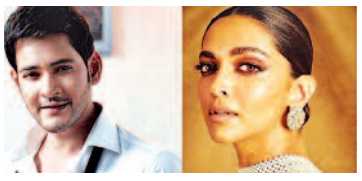

आरआरआर की अभूतपूर्व सफलता के बाद, निर्देशक एस.एस. राजामौली तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म बना रहे हैं। राजामौली के पिता के.वी. विजयेंद्र प्रसाद ने फिल्म की कहानी लिखी है और इसे वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित कहा जाता है और नवीनतम चर्चा यह है कि इसमें महेश बाबू के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण होंगी.संभावित रूप से 'एसएसएमबी29' शीर्षक वाली यह फिल्म एक एडवेंचर ड्रामा है।

संजय कपूर की बर्थडे पार्टी में पत्नी संग शामिल हुए पाकिस्तानी सिंगर

संजय कपूर ने कल यानी 17 अक्टूबर को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उनके जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उन्हें बॉलीवुड सितारों से लेकर फैन्स ने शुभकामनाएं दीं। संजय कपूर ने अपना जन्मदिन दुबई में मनाया, जहां उन्होंने एक शानदार पार्टी का आयोजन किया। इस मौक पर परिवार के सदस्यों के अलावा पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम अपनी पत्नी सारा भरवाना सहित मौजूद रहे। टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने भी संजय कपूर की इस पार्टी को अटेंड किया।संजय कपूर की बर्थडे पार्टी की अनदेखी तस्वीरें सामने आई हैं। एक तस्वीर में संजय कपूर के साथ आतिफ असलम और उनकी पत्नी सारा हैं। दूसरी तस्वीर में संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर, चंकी पांडे की पत्नी भावना पांडे, आतिफ और सारा पोज दे रहे हैं। आतिफ ने इस मौके पर ब्लैक आउटफिट पहना था। जबकि उनकी पत्नी ने रेड कलर का ड्रेस कैरी किया। बता दें कि आतिफ ने बॉलीवुड फिल्मों में कई गानों को अपनी आवाज दी है। भारत में उनकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग है। एक अन्य फोटो में सानिया मिर्जा, सारा भरवाना और अनिल कपूर हैं। इन सेलेब्स के अलावा पार्टी में फराह खान, अनिल कपूर, बोनी कपूर, शनाया कपूर, चंकी पांडे सहित अन्य मौजूद रहे।

गाजियाबाद में पिटबुल, रॉटविलर और डोगो अर्जेंटनो जैसे खतरनाक नस्ल के कुत्ते पालने पर रोक

गाजियाबाद। नगर निगम की बैठक में अहम फैसला लिया गया है। इससे कुत्तों के काटने की घटना पर निश्चित रूप से कमी देखने को मिलेगी। दरअसल, पिटबुल, रॉटविलर और डोगो अर्जेंटनो जैसे खतरनाक नस्ल के कुत्ते पालने पर रोक लगा दी गई है। जो लोग पहले से इन नस्ल के कुत्तों को पाल रहे हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से दो महीने के अंदर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन न कराने पर 5 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा।

दरअसल, पार्षद ने नगर निगम में खतरनाक डॉग्स पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा था। मेयर आशा शर्मा ने इसको हरी झंडी दे दी है। नए प्रस्ताव के मुताबिक, एक मकान मालिक अधिकतम दो कुत्ते पाल सकेगा। इसके लिए उसको रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सोसाइटी में कुत्तों को खाना खिलाने की एक जगह तय होगी। किसी के घर के सामने खाना नहीं खिलाया जाएगा। यदि पालतू डॉग किसी के घर के सामने गंदगी करता है तो उसे साफ करने की जिम्मेदारी उसके मालिक की होगी। जबकि

आवारा कुत्तों की साफ-सफाई और खाने की जिम्मेदारी आरडब्लूए व पशु प्रेमी देखेंगे। इसके अलावा कुत्तों को फ्लैट से बाहर ले जाते वक्त उनके मुंह पर मास्क (मजल) अनिवार्य लगाना होगा। कुत्ते की उम्र 6 महीने पूरा होने के बाद उनकी नसबंदी कराकर शपथ पत्र नगर निगम में जमा करना होगा।

12 अक्टूबर को किया था बच्ची पर हमला

गाजियाबाद में पिटबुल अटैक का नया मामला 12 अक्टूबर को वैशाली से सामने आया था। वैशाली के रामप्रस्था ग्रीन्स सोसायटी में रहने वाली 11 साल की बच्ची को बुधवार की शाम पिटबुल ने अपना निशाना बनाया था। पिटबुल के अटैक में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। बच्ची के पिता ने बताया कि वह खेलने पार्क जा रही थी। उसी समय पिटबुल ने उस पर हमला बोल दिया। पिटबुल उस समय बिना चेन और मजल के अकेला घूम रहा था। पिटबुल ने बच्ची को काट लिया। इससे उसके पैर में गहरा जख्म हो गया है। पिटबुल अटैक के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इस कारण उसे तुरंत भगाया गया। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया। वहां उसका प्राथमिक उपचार हुआ है।

प्रस्ताव की ये हैं शर्तें

- सभी पालतू श्यानो का पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।
- एक फ्लैट मे अधिकतम 02 श्वानो का पंजीकरण कराया जाये ।
- पालतू श्वानो के गंदगी की सफाई की सम्पूर्ण जिम्मेदारी श्वान मालिक की होगी। इसके अतिरिक्त, आवारा श्वानो के ध्यान रखने की जिम्मेदारी AOA / RWA की होगी। कोई भी व्यक्ति किसी के घर के सामने श्वानों का न खाना खिलायेगा न गंदगी फैलायेगा।
- पशु प्रेमी तथा AOA / RWA समन्वय स्थापित करते हुये आवारा श्वान के खाना खिलाने हेतु श्वान फीडिंग स्थान तय करे। सार्वजानिक स्थान जैसे- पार्क, लिफ्ट मे श्वान को ले जाते समय मजल लगाना अनिवार्य होगा, परन्तु अत्यधिक गर्मी के मौसम मे जहाँ लोग कम हो मजल हटा सकते है ।
- गाजियाबाद नगर निगम द्वारा पीटबुल राट वेलर तथा डोगों अर्जेंटीनो आक्रमक श्वानों का पंजीकरण तथा ब्रीडिंग प्रतिबन्धित किया जाता है।
- इसके अतिरिक्त, ऐसे श्वान पालक जो उपरोक्त आक्रमक श्वान का पालन कर रहे है, उन्हें इस शर्त पर पंजीकरण प्रदान किया जायेगा कि अगले दो माह के अंदर अपने श्वान का बध्याकरण अनिवार्य रूप से करा लें। इस निर्धारित समयावधि के उपरान्त उपरोक्त श्वानो का पंजीकरण नहीं किया जायेगा।
- यदि उल्लेखित आक्रमक श्वान छह माह से कम उम्र का है तो श्वान मालिक को निगम मे यह शपथ पत्र देना होगा कि श्वान की उम्र छह माह पूर्ण होने पर श्वान का बध्याकरण कराकर निगम को इसकी सूचना 10 दिवस के अंदर प्रदान की जायेगी।

बाल सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

गाजियाबाद। मोदी नगर में बाल सेवा समिति ने अपना वार्षिकोत्सव बड़ें ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिसमें शहर के अनेक गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया ओर मेधावी बच्चों ने सांस्कृकि व रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक ने बच्चों को देश का कर्णधार बताते हुये प्रगति के मार्ग पर चलने की सीख दी।

बाल सेवा समिति ने अपना 29 वां वार्षिकोत्सव गोविन्दपुरी स्थित कृष्णा कुटिया में सोमवार को धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने पंहुची विधायक डॉ0 मंजू शिवाच, रानी लक्ष्मीबाई फाउंडेशन की अध्यक्ष कुसुम सोनी, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल, संस्था के अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर की। डॉ. मंजू शिवाच ने बच्चों को देश का भावी कर्णधार बताते हुए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और संस्था द्वारा किए जा रहे निस्वार्थ कार्यों की जमकर प्रशंसा की। पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रामकिशोर अग्रवाल ने समिति के कार्यों से अन्य लोगों को सीख लेने व शिक्षा के क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से की जा रही सेवा की प्रशंसा करते हुये बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कुसुम सोनी ने संस्था द्वारा तैयार किए जा रहे शिक्षित बच्चों को भविष्य में इसी तरह की शिक्षा व चिकित्सा की निःशुल्क सेवाओं के लिए आगे आने की प्रेरणा दी। कहा कि संस्था द्वारा एक बेहतर नींव तैयार की जा रही जो देश के भविष्य के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। इस दौरान अनेक बच्चों ने विभिन्न रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। मेधावी बच्चों को संस्था की ओर सम्मानित किया गया। वहीं संस्था के अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। इस अवसर पर अतिथियों को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में दौलत राम ममगाई, नबाब अली, डीके शर्मा, गिरीश चन्द्र जोशी, प्रशान्त त्यागी आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद में 19 दुकानदारों ने किया पटाखों के लाइसेंस के लिए आवेदन

गाजियाबाद। ग्रीन पटाखों की बिक्री के लाइसेंस लेने के लिए जिला प्रशासन के पास 19 दुकानदारों के आवेदन पहुंच चुके हैं। प्रशासन ने अभी किसी को भी बिक्री की अनुमति नहीं दी है। अधिकारी अभी पटाखों के संबंध में सरकार की गाइडलाइन का इंतजार कर रहे हैं। करीब 20 दिन पहले से पटाखा विक्रेता सिटी मजिस्ट्रेट, एडीएम सिटी और डीएम कार्यालय में चक्कर लगा रहे हैं। पटाखा कारोबारी आशुतोष गुप्ता का कहना है कि एनजीटी ग्रीन पटाखों की बिक्री के संबंध में पूर्व में ही आदेश जारी कर चुका है। अब नई गाइडलाइन की जरूरत ही नहीं है। ग्रीन पटाखों से वायुमंडल को नुकसान नहीं है। इसके मानक निर्धारित पहले ही हो चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से लाइसेंस जारी नहीं किए जा रहे हैं। वहीं एडीएम सिटी बिपिन कुमार का कहना है कि पूरे प्रदेश के लिए शासन की ओर से गाइडलाइन जारी होने की उम्मीद है।

डेढ़ करोड़ खर्च करने के बाद भी सड़क पर छाया अंधेरा, ट्रैफिक लाइट की मदद से निकल रहे वाहन

गाजियाबाद। साहिबाबाद हिंडन पुल से वजीराबाद रोड तक रात के समय अंधेरा रहता है। स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से लोगों का आना-जाना मुश्किल हो रहा है। दो साल पहले वीआईपी रोड को रोशन करने के लिए निगम के प्रकाश विभाग ने डेढ़ करोड़ रुपए खर्च कर दिए। इसके बाद भी रात के समय करीब 5 किमी तक अंधेरा छाया रहता है। रात के समय प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों के साथ हादसे की आशंका है। आरोप है कि प्रकाश विभाग में शिकायत के बाद भी खराब स्ट्रीट लाइट को लेकर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। घटिया क्वालिटी की स्ट्रीट लाइट लगाए जाने पर सामाजिक संस्था और आरडब्ल्यूए ने निगम में शिकायती पत्र देकर इसकी जांच कराने की मांग की है।

नगर निगम ने हिंडन पुल से वजीराबाद रोड पर भोपुरा गोल चक्कर तक डेढ़ साल पहले ही नई लाइट लगाई गई थी। आरोप है

कि घटिया क्वालिटी की लाइट होने से रात के समय पूरी सड़क पर अंधेरा छाया रहता है। अब वाहनों की लाइट की मदद से सड़क पर आवागमन हो रहा है। करण गेट चौकी और लाजपत नगर कट के पास कई बार लोगों के साथ हादसा हो चुका है। वीआईपी रूट होने के कारण 24 घंटे वाहनों की आवाजाही रहती है। गाजियाबाद, मोहन नगर, मेरठ , नोएडा, हापुड़ और अन्य जनपदों से दिल्ली, लोनी, बागपत और हरियाणा की ओर जाने वाले लोग इसकी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। राजेंद्र नगर सेक्टर-2 आरडब्ल्यूए पदाधिकारी शालिनी सिंह ने बताया कि वजीराबाद रोड शालीमार गार्डन, शिवचौक, सीमापुरी, लोनी, भोपुरा, जीटी रोड, ज्ञानी बॉर्डर मोहन नगर, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर, जनकपुरी और वृंदावन गार्डन आदि इलाकों को जोड़ती है। सड़क के पास कई जगह नाला भी बह रहा है और प्रकाश की व्यवस्था बेहतर होना बहुत जरूरी है। अंधेरे में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ और मोबाइल व चेन स्नेचिंग की घटनाएं बढ़ रही हैं। आरोप है कि निगम की तरफ से घटिया क्वालिटी की स्ट्रीट लाइट लगवा दी गई हैं। महज डेढ़ साल में 150 से अधिक स्ट्रीट लाइट खराब होने से नहीं जल रही है। एक- दो पॉइंट पर जहां-तहां लाइट जल रही है और वह भी बीच-बीच में बंद हो रही है।

यहां भी खराब स्ट्रीट लाइट की समस्या

राजेंद्र नगर ईएसआईसी हॉस्पिटल से आराधना सिनेमा रोड पर भी 65 से अधिक लाइट खराब हैं। यहां भी दोनों तरफ नई लाइट लगवाई गई थी, लेकिन साल भर में ही लाइट खराब हो गई। डेढ़ सौ फुटा रोड और शालीमार गार्डन 80 फुटा रोड पर भी ज्यादातर लाइट खराब है। यहां सीमापुरी बॉर्डर तक रात के समय अंधेरा रहता है। शालीमार गार्डन सांझा प्रयास के संयोजक जुगल किशोर का कहना है कि निगम में शिकायती पत्र देकर खराब स्ट्रीट लाइट के मामले की जांच कराने की मांग की जाएगी। गरिमा गार्डन वार्ड 64 के पार्षद तेजपाल सिंह राणा का कहना है कि निगम की बोर्ड बैठक में स्ट्रीट लाइट की समस्या प्रमुखता से रखी जाएगी। मुख्य मार्गो पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था होनी बहुत जरूरी है। उधर, नगर आयुक्त का कहना है कि हिंडन पुल से वजीराबाद रोड तक खराब स्ट्रीट लाइट की शिकायत मिली है। सभी खराब स्ट्रीट लाइट को ठीक कराया जाएगा। खराब लाइट के संबंध में एरिया के लाइट इंस्पेक्टर को भी निर्देशित किया गया है।

लोहिया नगर में अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने किया पंजीकरण कार्यालय का उद्घाटन

19 व 20 नवंबर को होगा 24 वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन

गाजियाबाद न्यूज। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा का 24वां वैवाहिक परिचय सम्मेलन 19 और 20 नवंबर को होगा। इसके लिए लोहिया नगर के अग्रसेन भवन के पास पंजीकरण कार्यालय खोला गया है। बुधवार को मुख्य अतिथि व पूर्व राज्यमंत्री पंडित सतीश शर्मा ने कार्यालय का उदघाटन किया। उन्होंने कहा कि अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा समाज के लिए जो सेवा कर रही है उससे अन्य संगठनों को भी प्रेरणा मिल रही है। यह अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण सभा का समाज के लिए एक पुण्य का कार्य है। वर्तमान दौर में बच्चों के लिए योग्य वर ढूंढना एक चुनौती भरा कार्य है। इस संस्था ने उन माता-पिता की चिंता को खत्म किया है, जो बच्चों के लिए योग्य वर तलाशने में असमर्थ हैं। अब ऐसे आयोजन से बच्चों को योग्य वर मिल रहे हैं। अभी तक 23 परिचय सम्मेलनों से हजारों युवक-युवतियों को योग्य वर मिल चुके हैं। आज वे खुशहाल दाम्पत्य जीवन जी रहे हैं। समारोह के अध्यक्ष पंडित सुदर्शन शर्मा ने कहा कि वे संस्था से साल 1996 से जुड़कर कार्य कर रहे हैं। अब 93 साल की आयु होने के बाद कार्यक्रमों में जाना असंभव हो रहा है। मगर अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के परिचय सम्मेलन में जरूर आते हैं। क्योंकि यह संस्था ब्राह्मण समाज को मजबूती प्रदान करने का काम कर रही है। वहीं, युवाओं के लिए योग्य जीवनसाथी मिलने का लक्ष्य भी पूरा हो रहा है। संस्था के मुख्य संरक्षक पंडित जेके गौड ने कहा कि संस्था का 24 वां वैवाहिक सम्मेलन 19 और 20 नवंबर को गाजियाबाद के लोहिया नगर में होगा। विवाह के लिए पंजीकरण की आखिरी तारीख 10 नवंबर रखी गई है। परिचय सम्मेलन को लेकर लोगों में काफी उत्साह है और कार्यालय खुलते ही पंजीकरण के लिए लोगों ने संपर्क करना शुरू कर दिया गया हैं। संस्था के राष्ट्रीय महामंत्री विशन कौशिक ने कहा कि अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण द्वारा आयोजित परिचय सम्मेलनों से जहां एक और सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगा है वहीं, युवाओं को योग्य वर तलाशने में भी सुविधा हुई है। संस्था के राष्ट्रीय मंत्री पंडित हरिओम शर्मा, राष्ट्रीय प्रचार मंत्री देवेंद्र भारद्वाज ने संस्था के पदाधिकारियों का इस पुनीत कार्य के लिए आभार जताया। संस्था के जिलाध्यक्ष पंडित जयनंद शर्मा महानगर अध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर समाजसेवी डॉ धीरज कुमार भार्गव, रविंद्र नाथ पांडेय, शशि भारद्वाज, आके शर्मा, सुभाष शर्मा, कुलदीप शर्मा, गणेश चंद्र शर्मा, आदेश शर्मा, करण शर्मा, बिजेंद्र कुमार शर्मा, कमल कुमार शर्मा, सुमित शर्मा, संजय शर्मा, निखिल शर्मा, प्रदीप गौड, विशाल शर्मा, तुषार शर्मा आदि मौजूद रहे।

दिवाली और छठ महोत्सव को लेकर डीएम की अधिकारियों के साथ बैठक, त्योहार पर एलर्ट रहने के निर्देश

गाजियाबाद। दिवाली और छठ महोत्सव की तैयारियों को लेकर डीएम ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने त्योहार के मददे नगर सभी अधिकारियों को एलर्ट रहने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही डीएम ने साफ तौर पर कहा है कि त्योहार पर माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों को त्योहार पर प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। डीएम ने कहा कि प्रकाश और स्वच्छता का दीपावली पर्व समाज में साम्प्रदायिक सौहार्द, प्रेम और भाई-चारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि जनपदवासियों के लिए आगामी त्यौहार उल्लास और खुशियों भरे हो इसके लिये आमजन एक साथ मिलजुल कर त्योहार मनाएं। सजावट व रोशनी और विशेष आयोजन किये जाएं। डीएम ने जनपदवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी से आह्वान किया कि हम सभी मिलजुल कर दीपोत्सव में शांति, सद्भाव और प्रेम-भाईचारे का संदेश पूरे देश में दें। उन्होंने कहा कि हमें एकता का माहौल कायम करने के साथ-साथ दुर्घटनारहित और खुशियों भरा पर्व मनाना है। 'आओ हम सब मिलकर पर्व मनाएं' के संकल्प के साथ दीन-दुखियों और अभावग्रस्त लोगों के दुख-दर्द को दूर कर उनके जीवन में उजाला लाने का काम करें। त्योहारों के दौरान अधिकारी, विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर कार्यक्रम आयोजित कर उनके साथ पर्व मनाते हुए उनके चेहरों पर भी खुशियां लाने का प्रयास करें।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी से 'प्लास्टिक को ना' कहने का आह्वान किया और सभी प्रकार के जैव-अवक्रमणीय, पर्यावरण के अनुकूल सामग्री और उत्पादों का उपयोग करके त्योहार का पालन करने पर जोर दिया। साथ ही लोगों से आह्वान किया है कि वे पॉलीथिन का प्रयोग न करें। अगर कहीं आसपास पॉलीथिन पड़ी है तो उसे इकट्ठा करके सफाई कर्मचारियों को दें ताकि उसे रीसाइकिल करने की दिशा में काम किया जा सके। डीएम ने राजकीय भवनों, सार्वजनिक महत्व के स्थानों व धार्मिक स्थलों पर रोशनी, स्वच्छता व्यवस्था और दीपावली से पूर्व ही सड़कों का दुरूस्तीकरण सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान मिलने वाली विद्युत की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने त्योहारों के दौरान विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा विभाग को आगजनी, सड़क और अन्य दुर्घटनाओं में घायलों को तुरंत उपचार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस, चिकित्सक व नर्सिंग स्टॉफ 24 घंटे अलर्ट रहें। विभागीय अधिकारी, सीएमएस अस्पतालों का निरीक्षण कर आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर ले।

नगर आयुक्त ने छठ घाटों का लिया जायजा, निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

गाजियाबाद। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ द्वारा महापर्व दीपावली व छठ पूजा की तैयारियों के दृष्टिगत शहर का भ्रमण किया। छह घाट का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ शहर की प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। मोहन नगर तथा विजयनगर जोन स्थित छठ घाटों की सफाई व्यवस्था तथा आवश्यक निर्माण व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही सौंदर्यकरण की कार्यवाही में भी तेजी लाने के लिए कहा गया। मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी द्वारा बताया गया कि मेयर तथा नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार शहर के समस्त छठ घाटों पर कार्यवाही चल रही है। पूर्व निर्मित छठ घाटों की मरम्मत रंगाई पुताई का कार्य लगभग पूर्ण हो रहा है। इस दौरान हिंडन छठ घाट पर निर्माण की एक्शन देशराज सिंह, जे ई एस के गंगवार आदि मौजूद रहे।

दिवाली व भाईदूज के त्योहार पर मिलावटखोर सक्रिय

गाजियाबाद। दिवाली और भाईदूज के त्योहार पर बाजार में मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। मिलावटखोरी के गोरखधंधे में सक्रिय लोग मुनाफाखोरी के चक्कर में आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। रोजमर्रा में प्रयोग होने वाले दूध के दूध से लेकर पनीर और खोवा तक में मिलावट कर बाजार में बेच रहे हैं। लोग सस्ते और असली- नकली की पहचान के अभाव में नकली और सिंथेटिक दूध, पनीर खरीद कर सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं।वैसे तो बाजार में नकली और सिंथेटिक दूध का कारोबार सालों भर चलता है। सिंथेटिक दूध बनाने के काले धंधे में शामिल लोग कम लागत में ज्यादा मुनाफा करते हैं, और बाजार से लेकर कॉलोनियों और सोसाइटी के घरों में लोगों तक सिंथेटिक दूध पहुंचाकर उन्हें सफेद जहर पिलाते हैं। इसी तरह सिंथेटिक और मिलावटी दूध से नकली हुआ और पनीर तक धड़ल्ले से बनाकर बाजारों में बेचते हैं। शहरवासी असली-नकली पनीर अथवा उससे बने अन्य खाद्य पदार्थों को खरीद कर अपने और परिवारजनों की सेहत से खिलवाड़ करते हैं। आम लोग सिर्फ सस्ते और महंगे के चक्कर में ऐसा करते हैं। इन मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ऐसा नहीं है कि सिर्फ त्योहार के सीजन में ही सिंथेटिक दूध, पनीर और खोवा की बिक्री होती है, बल्कि सालों भर यह गोरखधंधा चलता है। प्रशासन एवं खाद्य आपूर्ति विभाग को नकली और सिंथेटिक के कारोबार में सक्रिय लोगों को कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.